III - 237

ॐ

ओ३म्- वसीयतनामा बिना मालियत

मै कि श्रीमती संगीता अग्रवाल धर्मपत्नी डा0 हरिओम अग्रवाल निवासी 184 बी, आबूलैन मेरठ कैन्ट की हूँ :–

जो कि मेरी उम्र इस वक्त लगभग 50 वर्ष की हो गई है और इस क्षण भंगुर जीवन का कुछ भरोसा नही कि न जाने कब और कहॉ यह प्राण पखेरू इस नश्वर शरीर से प्रयाण कर जावे और मन की अभिलाषा मन मे ही रह जावे, मैं भूमि रकबई 0.0850 हैक्टेयर मध्ये खसरा नम्बर 352/1, 353/4 व 354/2 व 356/1 स्थित ग्राम जलालपुर सलारपुर तहसील व जिला मेरठ जिसकी मै मुकिरा विकय पत्र दिंनाक 31.03. 2015 ई0 जिसकी रजिस्ट्री बही नम्बर 1 जिल्द 10544 के पृ0 177 से 218 में नम्बर 2711 को कार्यलय सब रजिस्ट्रार मेरठ प्रथम हुई इकरारी ज्ञान प्रकाश बनाम मुझ मुकिरा द्वारा कयकर व्यक्तिगत स्वामी

Sangeeta Agl

ARJUN SHARMA
M. Com., LL.B., Advocate
Registry Compound, Kutchery
Meerut (U.P.)
M.: 9837308823, 9897864876

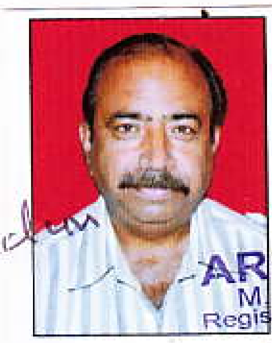

ARJUN SHARMA
M. Com., LL.B., Advocate
Registry Compound, Kutchery
Meerut (U.P.)
M.: 9837308823, 9897864876

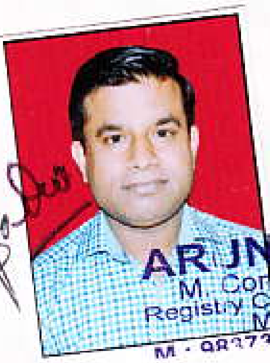

ARJUN SHARMA
M. Com., LL.B., Advocate
Registry Compound, Kutchery
Meerut (U.P.)
M.: 9837308823, 9897864876

हूॅ तथा राजस्व अभिलेखों फर्द, खसरा खतौनी मे मुझ मुकिरा का नाम मालिक काबिज स्वामी दर्ज है और मैं अपनी उक्त भूमि की बाबत चाहती हूॅ कि मेरी उक्त भूमि मेरी मृत्यु के पश्चात **मैसर्स एनी इन्फास्ट्रक्चर एल एल पी कार्यालय शाप नम्बर 2 ग्राउण्ड फ्लोर 107/1, 4, गौमत नगर, नई दिल्ली 49 द्वारा पार्टनर श्री अनुराग अग्रवाल व विशाल अग्रवाल पुत्रगण श्री डा0 हरिओम अग्रवाल निवासी 184 बी आबूलैन मेरठ कैन्ट** को मिले अन्य किसी को न मिले। अतः मैं स्वयं इच्छानुसार स्थिर बुद्वि व स्वस्थ इन्द्रियो की अवस्था में निम्न प्रकार वसीयत करती हूॅ कि जिसका पालन करना सर्वसाधारण जनता तथा तत्कालीन राज्य कर्मचारी वर्ग पर अनिवार्य होगाः–

1. यह कि जब तक मैं जीवित रहूंगी अपनी भूमि की पूर्ववतः मालिक रहूंगी।

2. यह कि मेरी मृत्यू के पश्चात मेरी छोडी हुई उक्त भूमि रकबई 0.0850 हैक्टेयर मध्ये खसरा नम्बर 352/1, 353/4 व 354/2 व 356/1 स्थित ग्राम जलालपुर सलारपुर तहसील व जिला मेरठ की

Sangeeta Agl

स्वामिनी **मैसर्स एनी इन्फास्ट्रक्चर एल एल पी कार्यालय शाप नम्बर 2 ग्राउण्ड फ्लोर 107/1, 4, गौमत नगर, नई दिल्ली 49 द्वारा पार्टनर श्री अनुराग अग्रवाल व विशाल अग्रवाल पुत्रगण श्री डा0 हरिओम अग्रवाल निवासी 184 बी आबूलैन मेरठ कैन्ट** होगी तथा फर्म को उक्त भूमि के सम्बन्ध मे सर्वाधिकार प्राप्त रहेगें वह जिस प्रकार चाहे भूमि को इस्तेमाल करे, ऋण ले, बन्धक रखे, लीज डीड, गिफ्ट डीड, विकय पत्र आदि द्वारा किसी भी प्रकार से ट्रांसफर करे, तथा उक्त वसीयत के आधार पर राजस्व अभिलेखो फर्द खसरा खतौनी मे फर्म का नाम बतौर मालिक काबिज स्वामी दर्ज करायें, किसी भी अन्य व्यक्ति को उसके अधिकारो में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नही होगा।

3. यह कि उक्त भूमि की बाबत यह मेरी पहली व अन्तिम वसीयत है जिसे मैं रजिस्ट्री करा रही हूँ जिसमें भविष्य में परिर्वतन करने का मेरा कोई इरादा नही है, मेरी यह वसीयत केवल उक्त भूमि के लिए है मेरी अन्य सम्पत्ति पर इस वसीयत का कोई प्रभाव नही पडेगा और

Sangeeta Agl

वसीयतनामा

प्रतिफल- 0 स्टाम्प शुल्क- 0 बाजारी मूल्य - 0 पंजीकरण शुल्क - 500 प्रतिलिपिकरण शुल्क - 40 योग : 540

श्रीमती संगीता अग्रवाल
पत्नी श्री हरिओम अग्रवाल
व्यवसाय : अन्य
निवासी: 184बी आबूलैन मेरठ कैन्ट

Geeta Agl

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय में दिनांक 04/05/2018 एवं 04:18:19 PM बजे निबंधन हेतु पेश किया।

Geeta Agl

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

राजेन्द्र कुमार त्यागी (प्रभारी)
उप निबंधक :सदर द्वितीय
मेरठ

[illegible] लि०
उ० नि० द्वितीय

मेरी अन्य किसी वसीयत का कोई प्रभाव उक्त वसीयत/सम्पत्ति पर नही पडेगा तथा मैं अपनी अन्य सम्पत्ति की बाबत अन्य वसीयत लिखूंगी और यदि मैं अपनी अन्य सम्पत्ति की अन्य वसीयत न लिखू तो मेरी मृत्यु के पश्चात मेरे उक्त भूमि के अलावा मेरी अन्य सम्पत्ति मेरे वारिसान को विरासत के आधार पर मिलेगी।

4. यह कि यदि मेरी इस वसीयत के विरूद्ध मेरे किसी सम्बन्धी सहभागी या अन्य किसी व्यक्ति ने किसी प्रकार का कोई वाद विवाद प्रस्तुत किया तो वह इस वसीयत की अपेक्षा व्यर्थ निष्प्रभाव व अमान्य होगा ओर यह वसीयत पूर्ण व उचित व मान्य होगी। अतः यह वसीयतनामा बिना मालियत स्वयम इच्छानुसार स्थिर बुद्धि व स्वंस्थ इंद्रियों कि अवस्था में लिख दिया कि प्रमाणित तथा उपयोगी हो। इति।

मै धोषणा करती हूँ कि मैंने इस वसीयत को पढकर व समझकर गवाहान हाशिये के समक्ष अपने हस्ताक्षर व निशानी अंगूठा

Sangeeta Agl

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमुन व प्राप्त धनराशि रु प्रलेखानुसार उक्त वसीयत कर्ता: 1

श्रीमती संगीता अग्रवाल, पत्नी श्री हरिओम अग्रवाल

निवासी: 184 बी आबूलैन मेरठ कैन्ट

Sangeeta Agl

व्यवसाय: अन्य

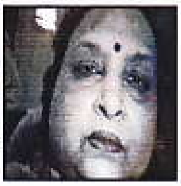

ने निष्पादन स्वीकार किया । जिनकी पहचान

पहचानकर्ता : 1

श्री राकेश मदान, पुत्र श्री ओमप्रकाश मदान

निवासी: 661/6 शास्त्रीनगर मेरठ

व्यवसाय: अन्य

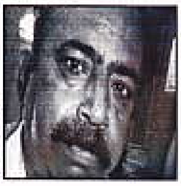

पहचानकर्ता : 2

श्री प्रदीप सैनी, पुत्र श्री शान्ति प्रसाद सैनी

निवासी: 12 वैशाली कालोनी मेरठ

व्यवसाय: अन्य

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

ने की । प्रत्यक्षतःभद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिए गए है ।

टिप्पणी :

राजेन्द्र कुमार त्यागी (प्रभारी)
उप निबंधक : सदर द्वितीय
मेरठ

किये है तथा गवाहान हाशिये ने अपने–अपने हस्ताक्षर मेरे समक्ष किये है। अर्थात मैने व गवाहान हाशिये ने एक दूसरे की मौजूदगी मे एक दूसरे के समक्ष अपने अपने हस्ताक्षर व निशानी अंगूठा स्वेच्छा से पढकर व समझकर बिना किसी दबाव व बहकाव के किये है।

Sangeeta

Madan
गo Rakesh Madan
Late Shri Om Prakash Madan
661/6 Shastri Nagar Meerut
9897533504

गo Pradeep Saini S/o S.P. Saini
12 Vaishali Colony Meerut
9837073404

लिखित दिनांक 04.05.2018 मसविदा व फोटो सत्यापान श्री अरूण शर्मा एडवोकेट मेरठ।।

ARUN SHARMA
M.Com, LL.B., Advocate
Registry Compound, Kutchery
Meerut (U.P.)
M.: 9837308823, 9897864876
4.5.18

बही संख्या 3 जिल्द संख्या 336 के पृष्ठ 263 से 272 तक क्रमांक 237 पर दिनाँक 04/05/2018 को रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

राजेन्द्र कुमार त्यागी (प्रभारी)
उप निबंधक : सदर द्वितीय
मेरठ